जिम्मेदारीपूर्ण विनिर्मित पूंजी:

मूल्य सृजन के लिए प्रगामी वित्तीय समाधान

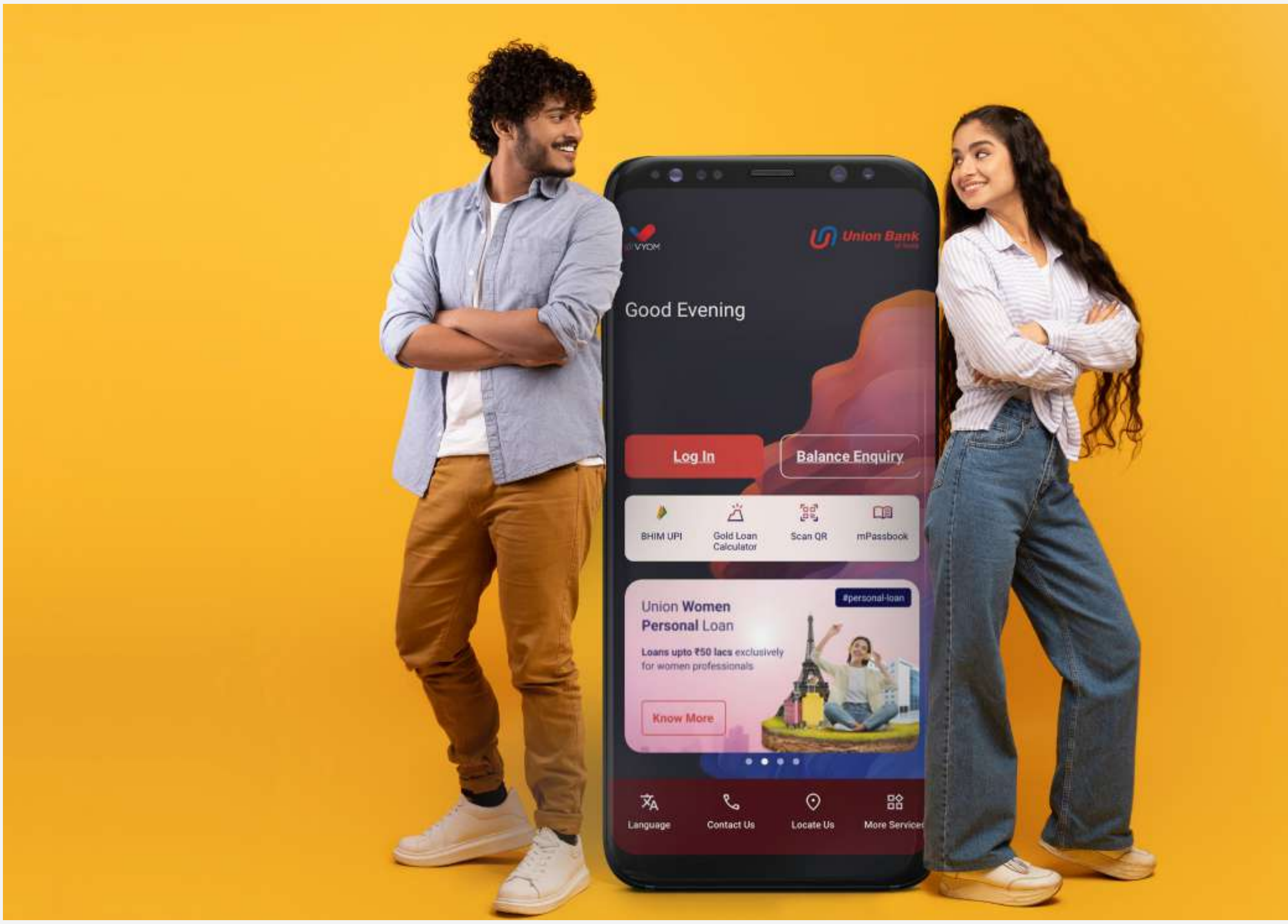

» *यूएनएसडीजी:*

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH | 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE | 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES | 12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION | 13 CLIMATE ACTION | 17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS

» *कार्यनीति ब्लूप्रिंट:*

» *कारोबार मॉडल अवयव:*

1 3 6 7

» *तात्विक विषय:*

11, 12, 13, 19, 29, 43

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की विनिर्मित पूंजी संवहनीयता तथा डिजिटल कौशल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की आधारशिला है. बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला की पेशकश करके, हम व्यक्तियों, परिवारों, व्यवसायों और निगमों को उनके वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाते हैं. वित्तीय समावेशन, हरित बैंकिंग प्रथाओं और तकनीकी प्रगति पर हमारा ध्यान हमें समृद्ध, टिकाऊ और डिजिटल रूप से सशक्त भविष्य की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है. जैसे कि हम नवाचार करना और बदलती जरूरतों के अनुरूप ढलना जारी रखते हैं, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में देश के विकास में योगदान करते हुए वैसे ही हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने के लिए समर्पित है.

संवहनीयता के लिए प्रतिबद्ध और डिजिटल कौशल से प्रेरित एक वित्तीय संस्थान के रूप में, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया देश की शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की यात्रा में सहयोग करते हुए एक डिजिटल और आकांक्षी भारत के विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है. अपने मूल मूल्यों के अनुरूप, हम अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन करने और स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल नवाचार में वैश्विक नेता बनने की दिशा में भारत के योगदान में निर्मित पूंजी के महत्व को पहचानते हैं. यह अध्याय विभिन्न क्षेत्रों में यूनियन बैंक की सेवाओं और समाधानों की व्यापक शृंखला पर प्रकाश डालता है, वित्तीय समावेशन, हरित बैंकिंग प्रथाओं और तकनीकी प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है जो हमें अपने ग्राहकों को प्रभावी ढंग से सेवा देने और एक समृद्ध, टिकाऊ और डिजिटल रूप से सशक्त भविष्य में योगदान करने में सक्षम बनाता है.

जिम्मेदारीपूर्ण विनिर्मित पूंजी:

मूल्य सृजन के लिए प्रगामी वित्तीय समाधान

हम क्या करते हैं: सेवाएँ और समाधान

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया हमारे ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाले बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है. हमारे परिचालन को चार खंडों में व्यवस्थित किया गया है: ट्रेजरी परिचालन, खुदरा बैंकिंग परिचालन, कॉर्पोरेट व थोक बैंकिंग, और अन्य बैंकिंग परिचालन. इन खंडों के माध्यम से, हम बचत और चालू खाते, जमा, ऋण, बीमा उत्पाद, निवेश विकल्प और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सेवाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए वित्तीय समाधानों की एक व्यापक शृंखला प्रदान करते हैं.

खुदरा बैंकिंग परिचालन:

हमारा खुदरा बैंकिंग परिचालन व्यक्तिगत ग्राहकों और परिवारों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करता है. हम बचत और चालू खाते, सावधि और आवर्ती जमा, डीमैट और ऑनलाइन ट्रेडिंग खाते, और गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और व्यक्तिगत ऋण सहित विभिन्न प्रकार के खुदरा ऋण प्रदान करते हैं. इसके अतिरिक्त, हम संपत्ति पर ऋण देते हैं और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए वित्तीय उत्पाद प्रदान करते हैं. हमारे खुदरा बैंकिंग पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड, जीवन और गैर-जीवन बीमा उत्पाद, स्वास्थ्य बीमा योजनाएं, सामान्य बीमा पॉलिसियां और कर-बचत जमा भी शामिल हैं. इसके अलावा, हम सरकारी बचत योजनाएं, कर संग्रह सेवाएं, पेंशन उत्पाद और विभागीकृत मंत्रालय खाते प्रदान करते हैं.

कॉर्पोरेट और थोक बैंकिंग:

यूनियन बैंक का कॉर्पोरेट और थोक बैंकिंग खंड कॉर्पोरेट ग्राहकों, व्यवसायों और बड़े उद्यमों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करता है. हम कॉर्पोरेट ऋणों की व्यापक शृंखला एक प्रदान करते हैं, जिसमें कोविड आपातकालीन ऋण व्यवस्था, व्यापार वित्त समाधान, कार्यशील पूंजी वित्तपोषण, परियोजना वित्तपोषण, चैनल वित्त और ऋण संरचना/पुनर्गठन शामिल है. हमारी विशेषज्ञता ऋण सिंडिकेशन, संरचित वित्त, विलय और अधिग्रहण सलाहकार, और निजी इक्विटी सेवा जैसी सेवाओं तक विस्तरित है. हम नकदी प्रबंधन, निर्यात और आयात वित्त, विदेशी मुद्रा, डेरिवेटिव और एनआरआई बैंकिंग सेवाएं भी प्रदान करते हैं. इसके अलावा, हम अपने वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से ट्रेजरी उत्पाद और सेवाएँ, प्रेषण सेवाएँ और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए सहायता प्रदान करते हैं.

अन्य बैंकिंग परिचालन:

हमारे कोर बैंकिंग परिचालन के अलावा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया विशिष्ट आवश्यकताओं और बाजारों की मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न अन्य बैंकिंग गतिविधियों में संलग्न है. हम ऐप बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, स्वयं-सेवा बैंकिंग, एटीएम बैंकिंग और एसएमएस बैंकिंग सहित कई डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं. हमारे पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनल और तत्काल भुगतान सेवाएं हमारे ग्राहकों को सुविधा प्रदान करते हैं और लेनदेन को आसान बनाते हैं. इसके अलावा, हम विविध भुगतान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कॉम्बो कार्ड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, गिफ्ट कार्ड, प्रीपेड कार्ड और पेरोल कार्ड सहित कार्डों की एक व्यापक शृंखला प्रदान करते हैं.

अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति:

वैश्विक जुड़ाव के प्रति यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता हमारी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति से स्पष्ट है. विदेशों में हमारी तीन शाखाएँ हांगकांग, दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर (यूएई) और सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में स्थित हैं. इसके अतिरिक्त, हम अबू धाबी (यूएई) में एक प्रतिनिधि कार्यालय, लंदन (यूके) में एक बैंकिंग सहायक कंपनी, भारत के भीतर चार पैरा बैंकिंग सहायक कंपनियां, दो संयुक्त उद्यम (जीवन बीमा व्यवसाय में एक सहित), और एक सहयोगी कंपनी - चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक परिचालित करते हैं.

₹19.28 ट्रिलियन
मार्च 31, 2023 तक कुल कारोबार आवर्त (जमा और अग्रिम)

15.12%
मध्यम कॉर्पोरेट क्षेत्र में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि

42.31%
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम देने में आपके बैंक की उपलब्धि

₹11,17,716 करोड़
आपके बैंक की कुल वैश्विक जमा

17.19%
खुदरा ऋण में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि

43.55%
विदेशी शाखाओं के सकल अग्रिम पोर्टफोलियो में वृद्धि

35.26%
कुल जमा में कासा जमा का प्रतिशत

18.97%
कृषि प्राथमिकता क्षेत्र में आपके बैंक का कार्यनिष्पादन

शाखा नेटवर्क: विविध बाज़ारों के माध्यम से क्षितिज का विस्तार

ग्राहक

21.67 करोड़

घरेलू शाखाएं

8,577 / विदेशी शाखाएं: 3

कार्यरत एटीएम

10,835

कारोबार संवाददाता बिन्दु

17,000+

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के लिए यह गर्व का विषय है कि उसका व्यापक शाखा नेटवर्क है जो देश भर में फैला हुआ है, जो विभिन्न क्षेत्रों के ग्राहकों की सेवा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दृढ़ करता है. 31 मार्च, 2023 तक, हमारा बैंक भारत में 8,577 शाखाएँ परिचालित कर रहा है और तीन विदेशी स्थानों, हांगकांग, सिडनी, और दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर (डीआईएफसी) में स्थित है. विशेष रूप से, हमारी 59 प्रतिशत शाखाएँ कार्यनीतिक रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी केन्द्रों में स्थित हैं, जो हमें वंचित क्षेत्रों में व्यक्तियों और कारोबारों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में सहायक है.

परिचालन दक्षता और बेहतर ग्राहक अनुभव की खोज में, हम लगातार अपने शाखा नेटवर्क का आकलन करते हैं. वित्तीय वर्ष 2023 के

दौरान,हमने 81 शाखाओं को पारंपरिक शाखाओं से ग्राहक बिंदु केंद्रों (सीपीसी) में परिवर्तित करते हुए 292 शाखाओं को तर्कसंगत बनाया. ये कार्यनीतिक निर्णय हमें संसाधनों का अनुकूलन करने और अपने ग्राहकों को अधिक सुव्यवस्थित सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं. इसके अतिरिक्त, हमारी विस्तार योजनाओं के अनुरूप, हमने उसी वित्तीय वर्ष के दौरान 80 नई शाखाएँ खोलीं, उन क्षेत्रों तक अपनी पहुँच बढ़ाई जहाँ हमारी उपस्थिति सार्थक प्रभाव डाल सकती है.

अपनी शाखाएं स्थापित करके और अपनी सेवा पेशकशों को विकसित करके, हमारा लक्ष्य समुदायों को सशक्त बनाना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और संवहनीय एवं डिजिटल रूप से सशक्त भारत को साकार करने में योगदान देना है.

संसाधन प्रबंधन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2023 के दौरान अपने व्यावसायिक निष्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, कुल कारोबार का आंकड़ा रु. 19.28 ट्रिलियन हो गया. संसाधनों के मजबूत प्रबंधन के कारण 31 मार्च 2023 तक, आपके बैंक का कुल कारोबार बढ़कर रु.19,27,621 करोड़ हो गया. कुल जमा रु.11,17,716 करोड़, जिसमें कासा जमाएं 35.26% हैं. जमाओं की संरचना से पता चलता है कि बचत जमाएं रु.3,20,075 करोड़, जबकि चालू जमाएं रु.73,980 करोड़ तक पहुंच गईं. संसाधन प्रबंधन को बढ़ाने के लिए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष के दौरान प्रमुख पहल लागू किए:

1. कॉर्पोरेट वेतन प्रभाग की स्थापना की, जिसके परिणामस्वरूप वेतन पोर्टफोलियो में 26.55% की बढ़ोतरी हुई.
2. चालू जमा सब-वर्टिकल: चालू जमा पर समर्पित फोकस प्रारंभ किया गया.
3. ग्राहक विभाजन और प्रीमियम खाते: संपन्न व्यक्तियों के लिए एसबीएचएनआई प्राइम सहित ग्राहक विभाजन कार्यनीतियों को लागू किया गया.
4. अवयस्कों के लिए विशेष खाता: यूनियन मुस्कान प्रारंभ किया गया, जो नवजात शिशुओं और अवयस्कों के लिए एक अनन्य खाता है, जो बचत की आदतों को बढ़ावा देता है और नि:शुल्क सावधि बीमा प्रदान करता है.
5. थोक जमाओं के लिए विशेष शाखा: थोक जमाओं को संभालने के लिए 233 शाखाओं की पहचान की गई, जिससे अन्य शाखाएं खुदरा सावधि जमा और कासा पोर्टफोलियो पर ध्यान केंद्रित कर सकें.
6. खुदरा सावधि जमाओं के लिए विशेष जमा योजनाएं: विभिन्न अवधियों के लिए सावधि जमा योजनाएं शुरू की गईं, जिनमें लगभग 20,46,357 खातों में रु.1,00,000 करोड़ प्राप्त हुए.
7. भारतीय नौसेना और नौसेना डॉकयार्ड मुंबई के साथ सहयोग: नौसेना कर्मियों और नौसेना नागरिकों के लिए वेतन खाते खोलने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए.
8. एनआरआई कारोबार और बैक ऑफिस समर्थन: 77 एनआरआई बैठकों का आयोजन और कारगर ग्राहक सहायता के लिए मंगलूरु में एनआरआई बैक ऑफिस की स्थापना करते हुए "प्रवासी हमारा गौरव" अभियान चलाया गया.
9. संबंध प्रबंधकों की तैनाती: शीर्ष ग्राहकों और उच्च साखवाले ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएं प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों और अन्य केंद्रों में संबंध प्रबंधकों की नियुक्ति की गई.

कॉर्पोरेट ऋण

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बड़े निगमों और निवेश-ग्रेड परियोजनाओं की जरूरतों को पूरा करते हुए कॉर्पोरेट ऋण में सक्रिय रूप से भाग लेता है. 31 मार्च, 2023 तक कॉर्पोरेट और अन्य अग्रिम रु.3,73,188 करोड़ हुए. देश भर में चौदह औद्योगिक वित्त शाखाएँ (आईएफबी) और छप्पन मध्यम कॉर्पोरेट शाखाएँ (एमसीबी) हमारे कॉर्पोरेट ग्राहकों को विशेषीकृत सेवाएँ प्रदान करती हैं. आपका बैंक निवेश-ग्रेड परियोजनाओं के लिए विवेकपूर्ण संवितरण सुनिश्चित करता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके वैश्विक संबंधों में विकास के अवसरों में योगदान देता है.

कॉर्पोरेट और अन्य अग्रिमों में रु. 3,73,188 करोड़ के साथ आपका बैंक सक्रिय रूप से कॉर्पोरेट विकास का समर्थन करता है, जो निवेश-ग्रेड परियोजनाओं को बढ़ावा देता है और भारत के आर्थिक अवसरों और वैश्विक संबंधों में योगदान देता है.

मिड कॉर्पोरेट

यूनियन बैंक ने वर्ष-दर-वर्ष 15.12% की वृद्धि के साथ अपने मध्यम-कॉर्पोरेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की है. वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान, आपके बैंक ने 171 नए कारोबारी प्रस्तावों में रु. 21,615 करोड़ की राशि अनुमोदित की. कुल 64 खातों में रु.7,704 करोड़ की अंतिम मंजूरी दी गई और 165 खातों में बढ़ी हुई राशि मंज़ूर करते हुए रु.7,977 करोड़ प्रदान किए गए. गैर-ब्याज आय बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने 91 खातों में, कुल रु.3,000 करोड़. एनएफबी (बैलेंस शीट से इतर एक्सपोज़र) सीमा बढ़ा दी है.

यूनियन बैंक में मिड-कॉर्पोरेट खंड वर्ष-दर-वर्ष 15.12% की उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करते हुए तेज़ी से विकसित हो रहा है. विकास को बढ़ावा देने वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से और गैर-ब्याज आय बढ़ाने के लिए हमने रु.21,615 करोड़ के नए कारोबार प्रस्तावों को अनुमोदित किया.

एमएसएमई

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है. उनकी ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान 80 अतिरिक्त यूनियन एमएसएमई फर्स्ट शाखाएं (यूएमएफबी) प्रारंभ की हैं, जिससे कुल विशिष्ट शाखाओं की संख्या 105 हो गई है. ये शाखाएं एमएसएमई ग्राहक आधार को सेवा प्रदान करती हैं और इनके पोर्टफोलियो का आकार रु.9,000 करोड़ है. इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने विशेष रूप से स्टार्ट-अप की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बेंगलूरु में एक विशेष स्टार्ट-अप शाखा शुरू की है.

एमएसएमई हेतु आपके बैंक की प्रतिबद्धता शाखाओं के माध्यम से परिलक्षित होती है. विकास को गति देने के उद्देश्य से और उनकी ऋण आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए 105 यूनियन एमएसएमई फर्स्ट शाखाओं और रु.9,000 करोड़ के पोर्टफोलियो आकार के साथ, हम छोटे कारोबार और स्टार्टअप को सशक्त बना रहे हैं.

आपके बैंक ने दक्षता बढ़ाने और क्रेडिट गारंटी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक समर्पित "केंद्रीकृत गारंटी सेल" की स्थापना की है. यह संरचना एक अधिक सुव्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने, क्षेत्र पदाधिकारियों को विपणन गतिविधियों और कारोबार वृद्धि के लिए मुक्त करने में सहायक है. समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, आपके बैंक ने "क्रेडिट गारंटी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस (सीजीएमएस)" नामक एक इन-हाउस पोर्टल बनाया है जो विभिन्न योजनाओं के तहत गारंटी कवरेज प्राप्त करने से संबंधित निर्बाध गतिविधियों की सुविधा प्रदान करता है. आपका बैंक नए गारंटी कवरेज के लिए सीजीटीएमएसई के साथ एपीआई एकीकरण करने वाला उद्योग का पहला बैंक बन गया है. गारंटी सेल सीजीटीएमएसई, सीजीएफएमयू, सीजीएसएसआई, ईसीएलजीएस, पीएम स्वनिधि और सीजीएसएसएसएस जैसी गारंटी कवरेज योजनाओं को संभालता है.

खुदरा

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने वर्ष-दर-वर्ष 17.19% की कुल वृद्धि के साथ खुदरा ऋण में महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की है. आपका बैंक खुदरा ऋण उत्पादों की श्रृंखला प्रदान करता है, और प्रत्येक योजना के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि इस प्रकार है:

» गृह ऋण: 10.84%

» माइल्स (ऑटो ऋण): 30.63%

» शिक्षा ऋण: 24.10%

» बंधक ऋण: 13.49%

» वैयक्तिक ऋण: 91.54%

» अन्य: 10.71%

प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट ऋण सहित कुल खुदरा अग्रिम पिछले वर्ष के स्तर से रु.23,429 करोड़ की वृद्धि दर्शाते हुए रु.1,60,595 करोड़ तक पहुंच गया. सम्पूर्ण भारत में, रिटेल लेंडिंग पॉइंट्स (सीपीसी) ने वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान रु.32,375 करोड़ के खुदरा ऋण स्वीकृत किए.

आपका बैंक खुदरा ऋण प्रदान करने में उत्कृष्ट है, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 17.19% की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई है, जिसमें कुल खुदरा अग्रिम रु. 1,60,595 करोड़ है.

जिम्मेदारीपूर्ण विनिर्मित पूंजी:

मूल्य सृजन के लिए प्रगामी वित्तीय समाधान

ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने खुदरा ऋण में कई नई पहल की हैं. इन पहलों में विदेश और प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में अध्ययन के लिए विशेष शिक्षा ऋण (यूनियन मेडिकोज) के लिए अलग-अलग योजनाओं का सृजन शामिल है. समर्पित शिक्षा ऋण अधिकारियों को शिक्षा ऋण के लिए एकल-बिंदु संपर्क के रूप में निर्धारित किया गया और शिक्षा ऋण के लिए एक अलग खुदरा स्वर्ण ऋण योजना शुरू की गई. आपके बैंक ने प्रमुख संस्थानों में पढ़ाई के लिए डिजिटल शिक्षा ऋण की भी शुरुआत की और ऋण पर जीवन बीमा प्रीमियम को वित्तपोषित करने के लिए यूनियन सुरक्षा पर्सनल ऋण की शुरुआत की. इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने शिक्षा ऋण के प्रचार-प्रसार के लिए यूबीआईएसएल को सीएसए (ग्राहक सेवा सहयोगी) के रूप में सूचीबद्ध किया और सुव्यवस्थित ऋण प्रसंस्करण के लिए मारुति सुजुकी को आपके बैंक के ऋण स्वचालन प्रणाली (एलएएस) के साथ एकीकृत किया.

संपदा प्रबंधन और संबंध बैंकिंग

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सक्रिय रूप से संपदा प्रबंधन में संलग्न है, तीसरे पक्ष के उत्पादों को वितरित करके आय उत्पन्न करता है. वित्तीय वर्ष 2023 में, आपके बैंक ने तीसरे पक्ष के उत्पादों के वितरण से रु.353.36 करोड़ की आय अर्जित की.

आपके बैंक की संपदा प्रबंधन पहल में म्यूचुअल फंड संभाग के तहत कारोबार का विस्तार करने के लिए निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एलआईसी म्यूचुअल फंड के साथ कॉर्पोरेट टाई-अप शामिल है.. डिजिटल चैनलों के माध्यम से खरीद के लिए एसयूडी लाइफ, केयर हेल्थ और मणिपाल सिग्ना के चुनिंदा बीमा उत्पादों को व्योम ऐप पर शामिल किया गया. व्योम ऐप के माध्यम से म्यूचुअल फंड में निवेश को सक्रिय किया गया, जिससे ग्राहकों को सुविधाजनक पहुंच प्रदान की जा सके. आपके बैंक ने ऋण पर जीवन बीमा पॉलिसियों की प्रीमियम फंडिंग के लिए एक व्यक्तिगत ऋण योजना भी शुरू की.

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एलआईसी म्यूचुअल फंड और अन्य के साथ हमारी कार्यनीतिक साझेदारी के कारण व्यापक वित्तीय समाधान पेश करते हुए व्योम ऐप के माध्यम से चुनिंदा बीमा उत्पादों और म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए सुविधाजनक पहुंच प्रदान किया जाना संभव हो सका है.

वर्ष के दौरान प्रारम्भ किए गए नए उत्पादों में बजाज आलियांस जनरल इंश्योरेंस कंपनी की 'यूनिकेयर' पॉलिसी शामिल है, जो उच्च साखवाले व्यक्ति (एचएनआई) ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है. महिलाओं के लिए मणिपाल सिग्ना की कैंसर योजना, "पिंक हेल्थ" भी पेश की गई. इसके अतिरिक्त, चोला फार्मर केयर पैकेज, जो कि चोला एमएस पॉलिसी है, किसानों को संपत्ति के नुकसान, दुर्घटनाओं और ऋण पर सुरक्षा प्रदान करती है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल सेवाओं को बढ़ाने के लिए फिनटेक कंपनियों के साथ सहयोग किया है. मेसर्स फिनटेक ब्लू सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने पर काम कर रहा है, और एसयूडी लाइफ, केयर हेल्थ और मणिपाल सिग्ना पहले से ही व्योम ऐप पर उपलब्ध हैं. अन्य चैनल भागीदार शामिल होने की प्रक्रिया में हैं. मेसर्स फिनविज़ार्ड टेक्नोलॉजीज ने म्यूचुअल फंड के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो व्योम पर सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है. म्यूचुअल फंड के लिए शाखा पोर्टल भी विकासाधीन है, जिससे परिचालन और ग्राहक पहुंच को सुव्यवस्थित किया जा रहा है.

इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने सॉवरिन गोल्ड बांड के लिए एक ऑनलाइन रिडेंप्शन विकल्प विकसित किया है.

कृषि

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के लिए कृषि ऋण सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है. 31 मार्च, 2023 तक, कृषि अग्रिम आपके बैंक के सकल अग्रिमों का 17.77% था. कृषि प्राथमिकता क्षेत्र में आपके बैंक का निष्पादन वैधानिक लक्ष्य से भी अधिक 18.97% तक पहुंच गया. इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने पीएसएलसी-लघु और सीमांत किसान श्रेणी के तहत रु.15,450 करोड़ का अधिशेष बेचा.

कृषि ऋण यूनियन बैंक के लिए प्राथमिकता बनी हुई है, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष उल्लेखनीय 14.20% की वृद्धि हासिल की है. किसानों और ग्रामीण समुदायों को समर्थन देने की मज़बूत प्रतिबद्धता के साथ, हमारा कुल कृषि अग्रिम वैधानिक लक्ष्य को पार करते हुए रु.1,51,993 करोड़ तक पहुंच गया. छोटे और सीमांत किसानों को सशक्त बनाने और कृषि प्राथमिकता वाले क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए हमने 4.11 लाख नये किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये.

वित्तीय वर्ष 2023 में, यूनियन बैंक ने कृषि ऋण में 14.20% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की, जो यथा 31 मार्च, 2023 को बकाया कुल राशि रु.1,51,993 करोड़ हुआ. विशेष रूप से, छोटे और सीमांत किसानों को रु.95,171 करोड़ ऋण प्रदान किए गए, जो समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) के 9.50% के बेंचमार्क के मुकाबले एएनबीसी का 13.33% है. आपके बैंक ने 4.11 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए, जिसके तहत वित्तीय वर्ष के दौरान कुल राशि रु.6,896.45 करोड़ है.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समाज के वंचित वर्गों को ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. आपके बैंक के प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिम की राशि 31 मार्च, 2023 तक रु.3,02,006 करोड़ हुई. यह उपलब्धि तिमाही के लिए समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) का 42.31% है, जो पीएसएलसी बिक्री को छोड़कर और आरआईडीएफ/सिडबी/मुद्रा/एनएचबी में निवेश सहित 40% के वैधानिक लक्ष्य को पार कर गई.

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया. 31 मार्च, 2023 तक, आपके बैंक का विदेशी कारोबार पिछले वर्ष के रु.17,429 करोड़ की तुलना में रु.36,229 करोड़ रहा. आपका बैंक हांगकांग, डीआईएफसी दुबई और सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में तीन विदेशी शाखाएँ संचालित करता है. यह अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड के माध्यम से लंदन, इंग्लैंड में भी परिचालन करता है, और कुआलालंपुर (मलेशिया) में बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन ओवरसीज बैंक के साथ इंडिया इंटरनेशनल बैंक मलेशिया बेरहाद नामक संयुक्त उद्यम का परिचालन करता है. विदेशी शाखाओं ने वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान सकल अग्रिम संभाग में 43.55% की वृद्धि और परिचालन लाभ में 7.46% की वृद्धि दर्ज़ की.

ट्रेजरी परिचालन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का ट्रेजरी परिचालन नीति दिशानिर्देशों के अनुसार ऋण, बाजार और चलनिधि जोखिमों का प्रबंधन करते हुए इष्टतम लाभ उत्पन्न करने के लिए विवेकपूर्ण तरलता प्रबंधन पर केंद्रित है. आपके बैंक का लक्ष्य अल्पकालिक मुद्रा बाजार उपकरणों और विदेशी मुद्रा बाजार गतिविधियों के माध्यम से नकदी प्रबंधन में सुधार करना है. एक अच्छी तरह से संतुलित एसएलआर (वैधानिक चलनिधि अनुपात) और उचित एम-अवधि के साथ गैर-एसएलआर निवेश बही बनाए रखकर, आपके बैंक का लक्ष्य लाभप्रदता बढ़ाना और पूंजी का संरक्षण करना है. वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान, ट्रेजरी विभाग ने ब्याज आय, निवेश की बिक्री पर लाभ और विनिमय लाभ के लक्ष्य हासिल किए.